बिच्छू पूरे शरीर से 'देखते' हैं

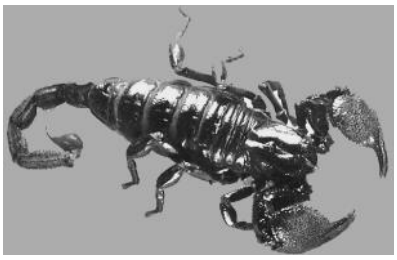

ऐसा लगता है कि बिच्छुओं को किसी वस्तु की तस्वीर निर्मित करने के लिए आंखों की ज़रूरत नहीं होती। उनका तो पूरा शरीर ही एक आंख की तरह काम करता है, खास तौर से पराबैंगनी प्रकाश में।

ओक्लाहामा विश्वविद्यालय के डूग गैफिन यह देखना चाहते थे कि क्या बिच्छुओं की त्वचा पर उपस्थित मोमी परतें उन्हें प्रकाश की उपस्थिति का पता लगाने में मदद करती है। उन्होंने 40 बिच्छुओं को सामान्य (दृश्य) प्रकाश और पराबैंगनी प्रकाश के संपर्क में रखा। दोनों किस्म की रोशनियों में इन बिच्छुओं के व्यवहार का अध्ययन दो तरह से किया गया - एक तब, जब उनकी आंखों पर परदा था और एक तब, जब आंखें खुली हुई थीं।

जब आंखों पर परदा था, तब ये बिच्छू हरे प्रकाश में ज़्यादा घूमते-फिरते नहीं थे। मगर पराबैंगनी प्रकाश में वे मज़े में घूमते रहे, आंखों पर पर्दा हो या न हो। मतलब, देखने के लिए वे अपनी आंखों पर निर्भर नहीं करते।

प्रकाश का पता लगाने में अपने शरीर का उपयोग करने वाला ऐसा एकमात्र अन्य प्राणी फ्रूट फ्लाई का लार्वा है। ***(स्रोत फीचर्स)***